भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 1623

सोमवार, 10 मार्च, 2025/19 फाल्गुन, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

श्री रामेश्वर देवस्थान धांदरफल को रामायण सर्किट में शामिल करना

1623. श्री भाऊसाहेब राजाराम वाकचौरे:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले की संगमनेर तहसील के गांव धांदरफल में प्रभु श्री राम द्वारा स्थापित प्राचीन तीर्थ स्थल श्री रामेश्वर देवस्थान को इसके धार्मिक महत्व को देखते हुए रामायण सर्किट/प्रसाद योजना में शामिल करने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): पर्यटन मंत्रालय "तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान" (प्रशाद) के तहत चिह्नित किए गए तीर्थ गंतव्यों पर पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों से पर्यटन परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता हेतु प्रस्ताव प्राप्त करना एक सतत प्रक्रिया है। प्राप्त प्रस्तावों की निर्धारित दिशानिर्देशों के संदर्भ में जांच की जाती है और ऐसी परियोजनाओं के लिए निर्धारित शर्तों के पूरा करने एवं निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

प्रशाद योजना के तहत ग्राम धांदरफल, तहसील संगमनेर, जिला अहिल्यानगर, महाराष्ट्र में प्रभु श्री राम द्वारा स्थापित श्री रामेश्वर देवस्थान को शामिल करने का कोई प्रस्ताव मंत्रालय के विचाराधीन नहीं है। हालांकि, मंत्रालय ने महाराष्ट्र में प्रशाद योजना के तहत 'त्र्यंबकेश्वर का विकास' नामक एक परियोजना को मंजूरी दी है और प्रशाद योजना के तहत विकास के लिए तीन परियोजनाएं, यथा श्री घृष्णेश्वर शिवालय, छत्रपति संभाजी नगर जिला; तुलजापुर, धाराशिव जिला और श्री क्षेत्र राजूर, गणपति मंदिर, जालना जिले को चिह्नित किया है।

*****